University in News on 20 December 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

तीन जनवरी से शुरू होंगी पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीए, बीएससी और बीकॉम पहले सेमेस्टर के लिए परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। विद्यार्थी लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम देख सकते हैं। किसी तरह समस्या होने परीक्षा विभाग में संपर्क किया जा सकता है।

परीक्षा विभाग की ओर जारी कार्यक्रम के मुताबिक बीए और बीएससी पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं तीन जनवरी से शुरू होकर 29 जनवरी तक चलेंगी। वहीं, बीएससी में बैक पेपर व इंप्रूवमेंट की परीक्षाएं तीन से 25 जनवरी के बीच होंगी। बीकॉम पहले सेमेस्टर की परीक्षा चार से 15 जनवरी के बीच होगी।

इसी तरह बीवॉक रिन्यूएबल एनर्जी कोर्स में पहले सेमेस्टर की परीक्षा सात से 17 जनवरी के बीच, तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 8 से 20 जनवरी के बीच और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा सात से 13 जनवरी के बीच होगी। इसके अलावा परास्नातक स्तर पर एमएससी रिन्यूएबल एनर्जी पहले सेमेस्टर की परीक्षा सात से 15 जनवरी, तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा आठ से 24 जनवरी के बीच होगी। (संवाद)

महिलाओं को सशक्त बनाने का है यह समय : स्वाति सिंह

लखनऊ। लविवि के प्रबंधन विज्ञान संस्थान में मिशन शक्ति के पांचवें चरण के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं को महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री स्वाति सिंह ने महिला कल्याण, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), लैंगिक समानता और शिक्षा, रोजगार से संबंधित महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकारी योजनाओं के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय समाज की मानसिकता को बदलकर महिलाओं को सशक्त बनाने का है। नोडल अधिकारी डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के उद्देश्यों से परिचय करवाते हुए महिला सशक्तिकरण पर विचार व्यक्त किए। इस मौके पर आईएमएस की निदेशक प्रो. विनीता काचर, डॉ. जॉली रस्तोगी आदि मौजूद रहे। (संवाद)

शिक्षकों ने पेटेंट के लिए किया आवेदन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. रमेश चंद्र और प्राणि विज्ञान विभाग की शिक्षिका डॉ. हादिया हुसैन ने पेटेंट के लिए आवेदन किया है। यह पेटेंट लीवर फाइब्रोसिस के उपचार को लक्षित करते हुए नैनो मेडिसिन से संबंधित है। पेटेंट की कार्य विधि चिकित्सीय प्रभावकारिता को अधिकतम करते हुए प्रणालीगत दुष्प्रभावों को कम करती है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने दोनों शिक्षकों को शुभकामनाएं दी हैं। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू: 24 के बजाय तीन जनवरी से होंगी यूजी प्रथम सेमेस्टर परीक्षाएं

मिशन एग्जाम

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2024-25 विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत अब बीए, बीएससी और बीकॉम प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं तीन जनवरी से आयोजित की जाएंगी। पहले यह परीक्षाएं 24 दिसंबर से कराई जानी थीं। लेकिन परीक्षा विभाग ने शेड्यूल में परिवर्तन कर तिथि में बदलाव कर दिया है। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक की ओर से सूचना भी जारी कर दी है।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि बीए प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं तीन जनवरी से 27 जनवरी, बीकॉम प्रथम सेमेस्टर की चार जनवरी से 15 जनवरी और बीएससी प्रथम सेमेस्टर की तीन जनवरी से 29 जनवरी तक आयोजित होंगी। जबकि बीएससी व बीए मानवशास्त्र, सांख्यिकी व गणित प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं तीन जनवरी से 25 जनवरी तक कराई जाएंगी। इसी तरह बीवोक, एमवोक रिन्यूबल एनर्जी का भी परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। छात्र-छात्राएं एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर विस्तृत शेड्यूल देख सकते हैं।

04 जनवरी से होगी बीकॉम प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा

- एलयू की वेबसाइट पर देख सकते हैं परीक्षा कार्यक्रम

बीएड के परीक्षा फॉर्म जारी किए गए

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी का कहना है कि एलयू और संबद्ध कॉलेजों में संचालित बीएड पाठ्यक्रम की परीक्षा के लिए परीक्षा फॉर्म जारी कर दिए गए हैं। विद्यार्थी एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर 26 दिसंबर तक परीक्षा फॉर्म भर सकेंगे। अधिक जानकारी के लिए छात्र वेबसाइट देख सकते हैं।

एलयू: जांच एजेंसी डिजिटल अरेस्ट नहीं करतीं

लखनऊ। मिशन शक्ति के पांचवे चरण के तहत रक्षा अध्ययन विभाग और महिला अध्ययन संस्थान के सहयोग से गुरुवार को साइबर सुरक्षा पर लखनऊ विवि में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। साइबर सेल के पूर्व एसपी डॉ. त्रिवेणी सिंह ने छात्र-छात्राओं को बताया कि कोई भी पुलिस या जांच एजेन्सी डिजिटल अरेस्ट नहीं करती। मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने अब तक हुए कार्यक्रमों से सबको रूबरू कराया।

JAGRAN CITY PAGE III

'कम लागत में तैयार हो सकती है औषधि'

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भेषजिक विज्ञान संस्थान में गुरुवार को एमिनेंट लेक्चर का आयोजन किया गया। इसमें बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के डा. जवाहर लाल जाट ने कीटोन और एमाइड के इनोवेशन आधारित स्टार्टअप पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने बताया कि कीटोन और सेकेंडरी एमाइड के माध्यम से कम लागत में जटिल बीमारियों की औषधियां तैयार की जा सकती हैं, जो छात्रों को नवाचार और स्टार्टअप के लिए प्रेरित कर सकती हैं। उन्होंने सरकार की सीड फंड स्कीम और स्वास्थ्य आधारित स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने वाली अन्य योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में बीफार्मा और डीफार्मा के 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। बीफार्मा द्वितीय वर्ष की छात्रा रिफत परवीन ने स्टार्टअप प्रोजेक्ट तैयार करने के बारे में सवाल पूछे, जबकि डीफार्मा के देवराज सिंह ने सेकेंडरी एमाइड के कैंसर रोधी औषधि में उपयोग पर चर्चा की। संयोजन डा. प्राणेश कुमार ने किया। निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने अतिथि का स्वागत किया।

PIONEER PAGE 3

लखनऊ विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय ने दायर किया नया पेटेंट

लखनऊ। लविसि की उपलब्धियों की श्रृंखला में विज्ञान संकाय ने एक नया कीर्तिमान जोड़ा है। डॉ. रमेश चंद्र (रसायन विज्ञान विभाग, एलयू) और डॉ. हादिया हुसैन (प्राणी विज्ञान विभाग, एलयू) ने हाल ही में लीवर फाइब्रोसिस के उपचार को लक्षित करते हुए एक नया नैनोमेडिसिन पेटेंट दायर किया है। पेटेंट एक अद्वितीय नैनोकैरियर सिस्टम पेश करता है, जिसे उच्च परिशुद्धता के साथ चिकित्सीय एजेंट के लिए डिज़ाइन किया गया है। नैनोमटेरियल का उपयोग करके, यह विधि बढ़ी हुई जैव उपलब्धता और लक्षित रिलीज सुनिश्चित करती है, चिकित्सीय प्रभावकारिता को अधिकतम करते हुए प्रणालीगत दुष्प्रभावों को कम करती है। दो और पेटेंट पाइपलाइन में हैं। डॉ. रमेश चंद्र रसायन विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं, वे जुलाई 2022 से इस पद पर हैं। वे धातु-कार्बनिक ढांचे, नैनोकणों और मिश्रित सामग्रियों में विशेषज्ञता के साथ नैनोमटेरियल के संश्लेषण और लक्षण वर्णन में माहिर हैं।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि में ऑड सेमेस्टर परीक्षा कार्यक्रम घोषित

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में ऑड सेमेस्टर स्नातक परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। बीएससी सेमेस्टर एक व बीए सेमेस्टर एक की परीक्षा 3 जनवरी से 29 जनवरी तक होंगी। बीए सेमेस्टर एक नई शिक्षा नीति की गणित, सांख्यिकी और एंथ्रोपोलाजी को छोड़कर शेष परीक्षाएं 3 से 29 जनवरी तक, बीवोक (इंस्टीटयूट ऑफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी) सेमेस्टर एक 7 से 17 जनवरी तक होंगी। बीवोक सेमेस्टर तीन की परीक्षाएं 8 से 20 जनवरी और चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं 7 से 13 जनवरी तक आयोजित होंगी। एमएससी एक और तीन सेमेस्टर की परीक्षा 7 से 24 जनवरी, बीकॉम सेमेस्टर एक नई शिक्षा नीति के तहत होने वाली परीक्षा 4 से 15 जनवरी तक होंगी। बीएड विषम सेमेस्टर नियमित, बैक पेपर और इंप्रूवमेंट के लिए ऑनलाइन परीक्षा फार्म 26 दिसंबर तक भरे जाएंगे। परीक्षा कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी विवि की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

इनोवेशन व स्टार्ट अप पर दिया व्याख्यान

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के भेषजिक विज्ञान संस्थान में "एमिनेंट लेक्चर" के अंतर्गत बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग के डॉ. जवाहर लाल जाट ने व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि कीटोन व सेकेंडरी एमाइड बहुत कम लागत में जटिल बीमारियों की औषधियों का निर्माण करता है।

लविवि में साइबर सुरक्षा पर कार्यक्रम आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ: मिशन शक्ति फेज 5 के तहत रक्षा अध्ययन विभाग और महिला अध्ययन संस्थान के सहयोग से साइबर सुरक्षा और सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभिन्न विभागों के 250 से अधिक छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भाग लिया। कला संकाय के डीन प्रो. अरविंद मोहन, प्रॉक्टर राकेश द्विवेदी, डॉ. मानीनी श्रीवास्तव शामिल रहीं।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि के संकाय ने नया पेटेंट किया दायर

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि की उपलब्धियों की श्रृंखला में विज्ञान संकाय ने एक नया कीर्तिमान जोड़ा है। डॉ. रमेश चंद्र (रसायन विज्ञान विभाग, एलयू) और डॉ. हादिया हुसैन (प्राणी विज्ञान विभाग, एलयू) ने हाल ही में लीवर फाइब्रोसिस के उपचार को लक्षित करते हुए एक नया नैनोमेडिसिन पेटेंट दायर किया है। पेटेंट एक अद्वितीय नैनोकैरियर सिस्टम पेश करता है जिसे उच्च परिशुद्धता के साथ चिकित्सीय एजेंट के लिए डिजाइन किया गया है। नैनोमटेरियल का उपयोग करके, यह विधि बढ़ी हुई जैवउपलब्धता और लक्षित रिलीज सुनिश्चित करती है, चिकित्सीय प्रभावकारिता को अधिकतम करते हुए प्रणालीगत दुष्प्रभावों को कम करती है। दो और पेटेंट पाइपलाइन में हैं। डॉ. रमेश चंद्र भारत के लखनऊ विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग में एक कुशल शोधकर्ता और सहायक प्रोफेसर हैं, वे जुलाई 2022 से इस पद पर हैं। वे धातु-कार्बनिक ढांचे (एमओएफ), नैनोकणों और मिश्रित सामग्रियों में विशेषज्ञता के साथ नैनोमटेरियल के संश्लेषण और लक्षण वर्णन में माहिर हैं। उनका शोध कटैलिसीस, फोटोकैटलिसिस, बायोमास रूपांतरण, सुपरकैपेसिटर, गैस भंडारण और बायोमेडिकल अनुप्रयोगों जैसे अनुप्रयोगों पर केंद्रित है। डॉ. चंद्रा ने आईआईटी रुड़की से रसायन विज्ञान में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की और आईआईटी कानपुर सहित प्रतिष्ठित पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप प्राप्त की हैं। उनके विद्वतापूर्ण योगदान में उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में कई सहकर्मी-समीक्षित प्रकाशन और उन्नत सामग्री और पर्यावरण उपचार पर पुस्तक अध्याय शामिल हैं। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भी अपना काम प्रस्तुत किया है। डॉ. चंद्रा परिष्कृत उपकरणों और सॉफ्टवेयर को संभालने में कुशल हैं, उन्होंने सामग्री विज्ञान और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डॉ. चंद्रा ने 6 मास्टर थीसिस का पर्यवेक्षण किया है। वर्तमान में, 2 शोध विद्वान और 4 मास्टर छात्र एमओएफ रसायन विज्ञान, सामग्री विज्ञान और उनके अनुप्रयोगों पर उनके शोध समूह में काम कर रहे हैं। डॉ. हादिया हुसैन वर्तमान में लिवर फाइब्रोसिस और नैनोमेडिसिन के क्षेत्र में काम कर रही हैं उन्होंने आज तक 6 एमएससी शोध प्रबंधों का पर्यवेक्षण किया है। उनकी बायोकेमिकल और क्लिनिकल जेनेटिक्स लैब में वर्तमान में 5 पीएचडी छात्र और 3 एमएससी शोध प्रबंध छात्र काम कर रहे हैं। उन्हें इस साल की शुरूआत में यूपीसीएसटी से 12 लाख का प्रोजेक्ट और उच्च शिक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग से 5.5 लाख का एक प्रोजेक्ट भी मिला था।

i-NEXT PAGE 4

तीन जनवरी से होंगे यूजी फर्स्ट सेमेस्टर के एग्जाम

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने फाइनल कार्यक्रम जारी किया

LUCKNOW (19 DEC): लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक प्रथम सेमेस्टर परीक्षाओं का फाइनल कार्यक्रम गुरुवार को जारी कर दिया. अब बीए और बीएससी (एनईपी) प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं तीन जनवरी से और बीकाम प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं चार जनवरी से होंगी. छात्र-छात्राएं विस्तृत समय सारिणी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं.

मांगे गए थे सुझाव

विश्वविद्यालय ने बीते दिनों इसका प्रस्तावित परीक्षा कार्यक्रम जारी कर सुझाव मांगे थे. अब उसमें संशोधन करके फाइनल समय सारिणी जारी कर दी है. प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्त्र ने बताया कि बीए और बीएससी प्रथम सेमेस्टर (एनईपी) की परीक्षाएं तीन से 29 जनवरी, बीकाम प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं चार से शुरू 15 जनवरी तक होंगी. वहीं, बीवाक विषम सेमेस्टर परीक्षाएं सात से 20 जनवरी तक संचालित होंगी. उन्होंने बताया कि एमएससी रिन्यूएबल एनर्जी विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं सात से 24 जनवरी तक आयोजित की जाएंगी.

विषम सेमेस्टर परीक्षा फार्म जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएड विषम सेमेस्टर परीक्षा फतर्म भरने की तिथि जारी कर दी है. छात्र छात्राएं 26 दिसंबर तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से परीक्षा फार्म भर सकते हैं.